पाठ 10. शमशाद बेगम

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ मेहनत और लगन का महत्व समझा रहा है। इस पाठ द्वारा बच्चे प्रसिद्ध गायिका शमशाद बेगम के व्यक्तित्व से परिचित हो पाएँगे तथा जान पाएँगे कि किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत आवश्यक होती है।

पाठ का सारांश

अपनी आवाज़ के माध्यम से लोगों के दिलों में जगह बनाने वाली शमशाद बेगम का जन्म अमृतसर में हुआ था। उन्होंने संगीत की कोई विधिवत शिक्षा नहीं ली थी। मात्र बारह वर्ष की आयु में शमशाद बेगम ने अपना पहला गीत रिकॉर्ड करवाया। फ़िल्मों में पार्श्वगायन के साथ-साथ उन्होंने अनेक रेडियो स्टेशनों से संगीत के कई कार्यक्रम दिए। फ़िल्म 'खजांची' में उनके गाए गीतों की काफ़ी प्रशंसा हुई। हिंदी फ़िल्मों में लगभग सौलह सौ से अधिक गीत गाने वाली शमशाद बेगम ने कई भाषाओं में गीत गाए। 23 अप्रैल 2013 को उनकी आवाज़ हमेशा के लिए खामोश हो गई। आज वे इस दुनिया में नहीं हैं परंतु अपने गीतों के माध्यम से प्रशंसकों के दिलों में हमेशा ज़िंदा रहेंगी।

अध्यापन संकेत

पाठ पढ़ाने से पहले बच्चों को शमशाद बेगम के बारे में संक्षेप में बताएँ। पाठ का मुखर वाचन करवाएँ। वाचन में उच्चारण संबंधी अशुद्धियों को दूर करते जाएँ। इससे बच्चों का उच्चारण शुद्ध हो पाएगा।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- जिन फ़िल्मों का नाम पाठ में आया है, उनके बारे में बताएँ।
- शमशाद बेगम के कुछ गीत सुनने के लिए बच्चों को कहें तथा उनसे पूछें कि उन्हें कौन-सा गीत अच्छा लगा।
- आजकल के गायक-गायिकाओं में उन्हें कौन पसंद हैं। बच्चों से जानें।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।